Shri B. R. Bhagat: May I know, Sir whether the government are taking any decision on the proposal, either for it or against it?

Shri Kidwai: Some decision has to be taken.

Shri B. R. Bhagat: Some decision has to be taken, one way or the other.

Shri Kidwai: I have not said, 'one way or the other'.

अनाज का उत्पादन

*१४३ । **श्री कन्हैया लाल बाल्मीकी:** खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष १९५१-५२ में वर्ष १९५०-५१ की अपेक्षा अनुमान से कितना अधिक अन्न देश में पैदा हुआ है; तथा

(ख) उसी काल में आत्मनिर्भरता योजना में किस सीमा तक सफलता प्राप्त हुई थी ?

PRODUCTION OF FOODGRAINS

[*143. **Shri Balmiki:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the approximate quantity of foodgrains produced in 1951-52 in excess of the production during 1950-51; and

(b) the progress made in respect of the self-sufficiency scheme during the same period?]

The Minister of Food and Agriculture (Shri Kidwai): (a) As the agricultural year 1951-52 will end only in June, 1952, the required data are not yet available. The year's target of additional production under 'Grow More Food', however, is 14 lakh tons over 1950-51.

(b) A statement showing the progress the 'Grow More Food' Schemes during July, 1951 to March, 1952, is placed on the Table of the House [*See* Appendix I, annexure No. 38.]

श्री कन्हैया लाल बाल्मीकी : सन् १९५०-५१ की फ़सल को देखते हुए सन् १९५१-५२ की फ़सल में कहां तक अधिकता हुई है उत्पादन में ।

[**Shri Balmiki:** What has been the increase in production in 1951-52 as compared with the yield in 1950-51?]

श्री किदवाई : बाज रकबों में या बाज स्टेट्स में फसल अच्छी है । वहां हम उम्मीद करते हैं कि पैदावार हिसाब के मुताबिक होगी । जहां फ़सल खराब है वहां हिसाब से कम ।

[**Shri Kidwai:** In certain areas or States the crop is good. We hope production will be equal to the estimated yield. In those areas where the crop is not good the yield will be less.]

खाद्य उत्पादन पुरस्कार योजना

*१४४ । **श्री कन्हैया लाल बाल्मीकी :** खाद्य तथा कृषि मंत्री बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष १९५१-५२ में पुरस्कार योजना के अन्तर्गत किस प्रकार की कृषि वस्तुओं के लिये पुरस्कार घोषित किए गए हैं ;

(ख) भारत सरकार से प्रथम पुरस्कारों के पाने वाले किसानों के नाम तथा उत्पादित वस्तुओं के प्रकार जिनके सम्बन्ध में उन्हें यह पुरस्कार दिये गए ; तथा

(ग) इस योजना का प्रभाव साधारण किसानों पर कैसा पड़ रहा